



中華全史

白話文版

中国华侨出版社

中華全世六史

【第四册】

周书 隋书 南史 北史

中国华侨出版社

第四册

目次

《周书》

文帝纪	(2713)	于寔传	(2755)
孝闵帝纪	(2720)	赵贵传	(2756)
明帝纪	(2721)	独孤信传	(2756)
武帝纪	(2723)	侯莫陈崇传	(2758)
宣帝纪	(2733)	梁御传	(2760)
静帝纪	(2736)	若干惠传	(2760)
阿史那皇后传	(2737)	怡峰传	(2761)
李皇后传	(2737)	刘亮传	(2761)
杨皇后传	(2737)	王德传	(2762)
朱皇后传	(2737)	王黑传	(2762)
陈皇后传	(2738)	王思政传	(2763)
元皇后传	(2738)	达奚武传	(2764)
尉迟皇后传	(2738)	达奚震传	(2765)
司马皇后传	(2738)	侯莫陈顺传	(2766)
宇文导传	(2738)	豆卢宁传	(2766)
晋荡公宇文护传	(2739)	宇文贵传	(2767)
叱罗协传	(2742)	杨忠传	(2768)
冯迁传	(2743)	王雄传	(2770)
齐炀王宇文宪传	(2743)	王盟传	(2770)
宋献公宇文震传	(2746)	贺兰祥传	(2771)
卫刺王宇文直传	(2746)	尉迟纲传	(2771)
赵僖王宇文招传	(2747)	叱列伏龟传	(2772)
代襄王宇文达传	(2747)	阎庆传	(2772)
贺拔胜传	(2747)	尉迟迥传	(2773)
贺拔岳传	(2749)	王谦传	(2774)
侯莫陈悦传	(2751)	司马消难传	(2275)
寇洛传	(2751)	周惠达传	(2775)
李弼传	(2752)	杨宽传	(2776)
李弼传	(2753)	柳庆传	(2777)
李远传	(2753)	柳带韦传	(2779)
于谨传	(2753)	苏绰传	(2779)
		卢辩传	(2783)
		李贤传	(2784)
		李远传	(2786)
		长孙俭传	(2787)

- | | | | |
|------|--------|-------|--------|
| 赫连达传 | (2788) | 宇文神举传 | (2824) |
| 韩果传 | (2789) | 宇文孝伯传 | (2825) |
| 蔡祐传 | (2789) | 颜之仪传 | (2826) |
| 常善传 | (2790) | 乐运传 | (2827) |
| 田弘传 | (2790) | 王褒传 | (2828) |
| 梁台传 | (2791) | 庾信传 | (2829) |
| 宇文测传 | (2791) | 萧勃传 | (2830) |
| 宇文深传 | (2792) | 萧世怡传 | (2831) |
| 史宁传 | (2793) | 萧圆肃传 | (2831) |
| 陆腾传 | (2794) | 萧大圜传 | (2831) |
| 贺若敦传 | (2795) | 刘璠传 | (2832) |
| 权景宣传 | (2797) | 柳霞传 | (2833) |
| 郭贤传 | (2798) | 李延孙传 | (2834) |
| 王勇传 | (2798) | 韦祐传 | (2834) |
| 耿豪传 | (2799) | 韩雄传 | (2835) |
| 窦焯传 | (2799) | 陈忻传 | (2835) |
| 于翼传 | (2800) | 魏玄传 | (2836) |
| 李穆传 | (2802) | 李迁哲传 | (2836) |
| 韦孝宽传 | (2803) | 卢光传 | (2838) |
| 韦复传 | (2806) | 沈重传 | (2838) |
| 申徽传 | (2807) | 樊深传 | (2838) |
| 陆通传 | (2808) | 熊安生传 | (2839) |
| 陆暹传 | (2808) | 乐逊传 | (2839) |
| 柳敏传 | (2809) | 冀俊传 | (2841) |
| 卢柔传 | (2809) | 姚僧垣传 | (2841) |
| 郑孝穆传 | (2810) | 姚最传 | (2843) |
| 崔谦传 | (2810) | 黎景熙传 | (2843) |
| 崔猷传 | (2811) | 赵文深传 | (2844) |
| 裴侠传 | (2812) | 褚该传 | (2845) |
| 薛端传 | (2813) | 强练传 | (2845) |
| 郑伟传 | (2814) | 萧督传 | (2845) |
| 令狐整传 | (2814) | 萧岿传 | (2847) |
| 寇俊传 | (2815) | 萧琮传 | (2848) |
| 韩褒传 | (2816) | | |
| 郭彦传 | (2817) | | |
| 裴文举传 | (2818) | | |
| 苏亮传 | (2818) | | |
| 柳虬传 | (2819) | | |
| 吕思礼传 | (2819) | | |
| 李昶传 | (2820) | | |
| 元伟传 | (2820) | | |
| 辛庆之传 | (2821) | | |
| 辛昂传 | (2821) | | |
| 杜杲传 | (2822) | | |
| 尉迟运传 | (2823) | | |
| 王轨传 | (2824) | | |

《隋书》

- | | |
|---------|--------|
| 高祖纪 | (2851) |
| 炀帝纪 | (2860) |
| 文献独孤皇后传 | (2872) |
| 李穆传 | (2873) |
| 梁睿传 | (2876) |
| 刘昉传 | (2876) |
| 郑译传 | (2878) |
| 柳裘传 | (2879) |
| 皇甫绩传 | (2879) |

- | | | | |
|--------------------|--------|-------------------|--------|
| 卢贲传 | (2880) | 贺若弼传 | (2920) |
| 窦荣定传 | (2881) | 达奚长儒传 | (2921) |
| 元景山传 | (2882) | 贺娄子干传 | (2922) |
| 源雄传 | (2882) | 史万岁传 | (2923) |
| 梁士彦传 | (2883) | 李彻传 | (2924) |
| 宇文忻传 | (2883) | 崔彭传 | (2925) |
| 王谊传 | (2884) | 杜彦传 | (2925) |
| 元谐传 | (2885) | 高劼传 | (2926) |
| 王世积传 | (2886) | 卢恺传 | (2926) |
| 虞庆则传 | (2886) | 令狐熙传 | (2927) |
| 元胄传 | (2887) | 薛胄传 | (2928) |
| 高颀传 | (2888) | 宇文弼传 | (2928) |
| 苏威传 | (2890) | 张衡传 | (2929) |
| 李德林传 | (2892) | 杨汪传 | (2930) |
| 河间王杨弘传(附杨庆传) | (2895) | 卢思道传 | (2930) |
| 杨子崇传 | (2896) | 薛道衡传 | (2931) |
| 观德王杨雄传 | (2896) | 元德太子杨昭传 | (2932) |
| 房陵王杨勇传 | (2897) | 齐王杨暕传 | (2934) |
| 秦孝王杨俊传 | (2899) | 于仲文传 | (2935) |
| 杨秀传 | (2900) | 于颀传 | (2937) |
| 杨谅传 | (2901) | 于玺传 | (2937) |
| 赵熨传 | (2902) | 段文振传 | (2937) |
| 赵芬传 | (2903) | 宇文述传(附云定兴传) | (2938) |
| 杨尚希传 | (2903) | 郭衍传 | (2940) |
| 长孙平传 | (2904) | 王韶传 | (2941) |
| 元暉传 | (2904) | 元岩传 | (2942) |
| 韦师传 | (2905) | 刘行本传 | (2943) |
| 苏孝慈传 | (2905) | 梁毗传 | (2943) |
| 韦世康传 | (2905) | 柳彧传 | (2944) |
| 韦洸传 | (2906) | 赵绰传 | (2945) |
| 韦艺传 | (2907) | 樊子盖传 | (2946) |
| 韦冲传 | (2907) | 史祥传 | (2948) |
| 韦寿传 | (2907) | 杨义臣传 | (2949) |
| 杨素传 | (2908) | 卫玄传 | (2950) |
| 牛弘传 | (2911) | 李圆通传 | (2950) |
| 宇文庆传 | (2912) | 张定和传 | (2951) |
| 李礼成传 | (2913) | 麦铁杖传 | (2951) |
| 元孝矩传 | (2913) | 沈光传 | (2952) |
| 元褒传 | (2914) | 来护儿传 | (2953) |
| 郭荣传 | (2914) | 鱼俱罗传 | (2953) |
| 庞晃传 | (2915) | 周法尚传 | (2954) |
| 李安传 | (2915) | 李景传 | (2955) |
| 长孙览传 | (2916) | 李谔传 | (2956) |
| 长孙炽传 | (2916) | 虞世基传 | (2957) |
| 长孙晟传 | (2917) | 裴蕴传 | (2958) |
| 韩擒虎传 | (2919) | 裴矩传 | (2959) |

袁充传	(2962)	陈后主本纪	(3026)
杨玄感传	(2963)	后妃传序	(3029)
李子雄传	(2965)	宋文元袁皇后传	(3029)
赵元淑传	(2965)	宋文帝潘淑妃传	(3030)
刘元进传	(2965)	宋孝武昭路太后传	(3030)
李密传	(2966)	宋孝武宣贵妃传	(3030)
裴仁基传	(2969)	宋明恭王皇后传	(3031)
皇甫诞传	(2970)	齐高昭刘皇后传	(3031)
王颁传	(2970)	齐郁林王何妃传	(3031)
梁彦光传	(2971)	齐东昏褚皇后传	(3032)
庾狄士文传	(2971)	梁武德郡皇后传	(3032)
崔弘度传	(2972)	梁武丁贵嫔传	(3032)
元善传	(2973)	梁元帝徐妃传	(3033)
辛彦之传	(2973)	陈武宣章皇后传	(3033)
何妥传	(2973)	陈文沈皇后传	(3033)
刘炫传	(2976)	陈后主张贵妃传	(3034)
李士谦传	(2977)	刘彦节传	(3034)
徐则传	(2978)	刘义庆传	(3035)
庾季才传	(2979)	彭城王刘义康传	(3036)
庾质传	(2980)	刘劭传	(3037)
张胄玄传	(2981)	建安王刘休仁传	(3040)
萧琮传	(2982)	晋平刺王刘休祐传	(3040)
谯国夫人传	(2982)	刘穆之传	(3041)
棘鞞传	(2983)	檀道济传	(3043)
真腊传	(2984)	王镇恶传	(3044)
高昌传	(2985)	朱龄石传	(3045)
契丹传	(2986)	胡藩传	(3046)
室韦传	(2986)	萧思话传	(3046)
宇文化及传	(2987)	谢晦传	(3047)
		谢方明传	(3048)
		谢灵运传	(3049)
		谢弘微传	(3051)
		谢庄传	(3052)
		王弘传	(3054)
		王僧达传	(3055)
		王融传	(3056)
		王昙首传	(3057)
		王俭传	(3058)
		王僧虔传	(3060)
		王筠传	(3062)
		王诞传	(3063)
		王亮传	(3063)
		王华传	(3064)
		王奂传	(3065)
		王秀之传	(3065)
		王延之传	(3066)

《南史》

宋武帝本纪	(2991)
宋前废帝本纪	(2998)
宋明帝本纪	(2999)
宋后废帝本纪	(3000)
齐高帝本纪	(3001)
齐武帝本纪	(3006)
齐废帝郁林王本纪	(3007)
齐废帝东昏侯本纪	(3009)
梁武帝本纪	(3012)
梁简文帝本纪	(3019)
梁元帝本纪	(3021)
陈文帝本纪	(3025)
陈宣帝本纪	(3025)

- | | | | |
|------------|--------|-----------------|--------|
| 王晏传 | (3066) | 沈庆之传 | (3107) |
| 王猛传 | (3067) | 沈攸之传 | (3109) |
| 王懿传 | (3068) | 宗慤传 | (3112) |
| 到溉传 | (3068) | 柳元景传 | (3113) |
| 垣崇祖传 | (3069) | 柳恽传 | (3114) |
| 张兴世传 | (3070) | 刘俊传 | (3115) |
| 张欣泰传 | (3071) | 刘孝绰传 | (3116) |
| 袁淑传 | (3071) | 刘瑱传 | (3117) |
| 袁粲传 | (3072) | 宗越传 | (3117) |
| 袁象传 | (3074) | 吴喜传 | (3118) |
| 马仙琕传 | (3075) | 曲江公萧遥欣传 | (3119) |
| 孔靖传 | (3075) | 萧颖达传 | (3119) |
| 孔琳之传 | (3076) | 豫章文献王萧巖传 | (3119) |
| 孔觊传 | (3077) | 萧子显传 | (3122) |
| 殷景仁传 | (3078) | 萧子云传 | (3123) |
| 褚彦回传 | (3079) | 长沙威王萧晃传 | (3124) |
| 褚玠传 | (3081) | 武陵昭王萧晔传 | (3124) |
| 蔡廓传 | (3081) | 桂阳王萧铄传 | (3125) |
| 何点传 | (3082) | 江夏王萧锋传 | (3125) |
| 何胤传 | (3083) | 宜都王萧铿传 | (3126) |
| 张裕传 | (3084) | 竟陵文宣王萧子良传 | (3126) |
| 张绪传 | (3085) | 鱼腹侯萧子响传 | (3128) |
| 张率传 | (3085) | 王敬则传 | (3128) |
| 张稷传 | (3086) | 张敬儿传 | (3131) |
| 张嵘传 | (3087) | 桓康传 | (3132) |
| 张畅传 | (3087) | 焦度传 | (3133) |
| 张融传 | (3089) | 周奉叔传 | (3133) |
| 徐文伯传 | (3090) | 荀伯玉传 | (3134) |
| 范晔传 | (3091) | 胡谐之传 | (3135) |
| 郑鲜之传 | (3094) | 刘休传 | (3135) |
| 裴松之传 | (3095) | 陆慧晓传 | (3135) |
| 裴子野传 | (3095) | 陆厥传 | (3136) |
| 何承天传 | (3096) | 庾杲之传 | (3137) |
| 何逊传 | (3097) | 孔珪传 | (3138) |
| 颜延之传 | (3097) | 刘歊传 | (3139) |
| 颜竣传 | (3099) | 刘善明传 | (3140) |
| 颜师伯传 | (3101) | 明僧绍传 | (3141) |
| 周朗传 | (3101) | 庾肩吾传 | (3441) |
| 周舍传 | (3102) | 刘之遴传 | (3142) |
| 周弘正传 | (3102) | 萧劭传 | (3143) |
| 顾琛传 | (3103) | 长沙宣武王萧懿传 | (3144) |
| 顾凯之传 | (3104) | 萧渊藻传 | (3144) |
| 羊欣传 | (3105) | 萧渊明传 | (3145) |
| 羊玄保传 | (3105) | 临川靖惠王萧宏传 | (3146) |
| 江湛传 | (3106) | 萧正德传 | (3147) |
| 江总传 | (3107) | 萧正则传 | (3148) |

- | | | | |
|---------------|--------|-------------|--------|
| 萧范传 | (3148) | 顾野王传 | (3199) |
| 昭明太子萧统传 | (3149) | 姚察传 | (3200) |
| 萧栋传 | (3151) | 循吏传序 | (3201) |
| 河东王萧誉传 | (3151) | 杜骥传 | (3202) |
| 豫章王萧综传 | (3151) | 虞愿传 | (3202) |
| 萧会理传 | (3153) | 沈瑀传 | (3203) |
| 邵陵携王萧纶传 | (3153) | 郭祖深传 | (3204) |
| 萧确传 | (3155) | 循吏传论 | (3205) |
| 武陵王萧纪传 | (3155) | 儒林传序 | (3205) |
| 哀太子萧大器传 | (3157) | 伏暹传 | (3206) |
| 王茂传 | (3158) | 严植之传 | (3206) |
| 曹景宗传 | (3158) | 皇侃传 | (3207) |
| 邓元起传 | (3160) | 儒林传论 | (3207) |
| 罗研传 | (3161) | 文学传序 | (3207) |
| 冯道根传 | (3161) | 丘灵鞠传 | (3207) |
| 张缙传 | (3162) | 丘迟传 | (3208) |
| 吕僧珍传 | (3162) | 卞彬传 | (3208) |
| 沈约传 | (3163) | 王智深传 | (3208) |
| 范云传 | (3165) | 祖冲之传 | (3209) |
| 范缜传 | (3167) | 钟嵘传 | (3209) |
| 韦睿传 | (3168) | 吴均传 | (3210) |
| 裴邃传 | (3170) | 刘勰传 | (3210) |
| 江淹传 | (3170) | 文学传论 | (3210) |
| 任昉传 | (3171) | 郭世通传 | (3210) |
| 江革传 | (3173) | 郭原平传 | (3211) |
| 贺琛传 | (3174) | 陶潜传 | (3211) |
| 徐勉传 | (3175) | 戴颙传 | (3213) |
| 陈伯之传 | (3179) | 刘凝之传 | (3213) |
| 朱异传 | (3180) | 朱百年传 | (3214) |
| 徐陵传 | (3182) | 沈麟士传 | (3214) |
| 王僧辩传 | (3183) | 阮孝绪传 | (3215) |
| 羊侃传 | (3185) | 陶弘景传 | (3216) |
| 羊鸦仁传 | (3188) | 庾诜传 | (3217) |
| 王琳传 | (3188) | 恩幸传序 | (3218) |
| 始兴王陈叔陵传 | (3190) | 戴法兴传 | (3218) |
| 长沙王陈叔坚传 | (3191) | 茹法亮传 | (3219) |
| 杜僧明传 | (3191) | 吕文显传 | (3219) |
| 周文育传 | (3192) | 茹法珍传 | (3220) |
| 侯瑛传 | (3193) | 孔范传 | (3221) |
| 章昭达传 | (3194) | 海南诸国传 | (3221) |
| 吴明彻传 | (3195) | 西南夷传 | (3224) |
| 鲁悉达传 | (3196) | 东夷传 | (3224) |
| 鲁广达传 | (3196) | 西域传 | (3227) |
| 萧摩诃传 | (3197) | 北狄传 | (3228) |
| 任忠传 | (3198) | 夷貊传论 | (3228) |
| 傅縡传 | (3199) | 侯景传 | (3229) |

王伟传	(3237)
周迪传	(3237)
陈宝应传	(3238)

《北史》

魏先世纪	(3241)
神元帝纪	(3241)
太祖道武帝纪	(3242)
太宗明元帝纪	(3247)
世祖太武帝纪	(3249)
高祖孝文帝纪	(3255)
孝武帝纪	(3266)
西魏文帝纪	(3268)
东魏孝静帝纪	(3269)
齐高祖神武帝纪	(3273)
世宗文襄帝纪	(3281)
显祖文宣帝纪	(3283)
废帝纪	(3289)
孝昭帝纪	(3290)
后主纪	(3293)
幼主纪	(3296)
周太祖文帝纪	(3297)
宣帝纪	(3303)
隋高祖文帝纪	(3306)
炀帝纪	(3315)
魏献明皇后贺氏传	(3324)
文成文明皇后冯氏传	(3324)
孝文幽皇后冯氏传	(3325)
宣武灵皇后胡氏传	(3326)
西魏文帝文皇后乙弗氏传	(3327)
齐武明皇后娄氏传	(3328)
蠕蠕公主郁久闾氏传	(3328)
彭城太妃尔朱氏传	(3328)
冯翊太妃郑氏传	(3329)
文宣皇后李氏传	(3329)
武成皇后胡氏传	(3329)
后主皇后穆氏传	(3330)
冯淑妃传	(3330)
周宣皇后杨氏传	(3331)
隋文献皇后独孤氏传	(3331)
宣华夫人陈氏传	(3332)
炀懿皇后萧氏传	(3332)
华山王元鸞传	(3333)
元苌传	(3333)

元子华传	(3333)
上党王元天穆传	(3334)
东阳王元丕传	(3334)
河间公拓跋齐传	(3335)
元志传	(3336)
拓跋屈传	(3336)
拓跋塞君传	(3336)
卫王拓跋仪传	(3337)
元桢传	(3337)
元寿兴传	(3338)
元暉传	(3338)
元赞传	(3339)
元淑传	(3339)
元亨传	(3339)
陈留王拓跋虔传	(3339)
朱提王拓跋悦传	(3340)
拓跋崇传	(3340)
义宁公元暉传	(3340)
拓跋颀传	(3340)
毗陵王拓跋顺传	(3341)
拓跋窟咄传	(3341)
清河王拓跋绍传	(3341)
元法僧传	(3341)
元和、元鉴传	(3342)
南平王元浑传	(3342)
元霄传	(3342)
江阳王元继传	(3342)
元叉传	(3343)
元善传	(3344)
乐平王拓跋丕传	(3344)
元璜传	(3345)
元孚传	(3345)
元仲景传	(3347)
元暹传	(3347)
元遥传	(3347)
元弼、元暉业传	(3348)
元诞传	(3348)
元修义传	(3348)
元文都传	(3349)
元襄传	(3349)
东平王元匡传	(3350)
任城王拓跋云传	(3351)
元澄传	(3351)
元顺传	(3354)
元嵩传	(3356)
南安王元桢传	(3356)

- | | | | |
|---------|--------|-------|--------|
| 中山王元英传 | (3356) | 刘洁传 | (3387) |
| 元熙传 | (3357) | 王洛儿传 | (3387) |
| 东平王元略传 | (3358) | 来大千传 | (3387) |
| 元徽传 | (3358) | 慕容白曜传 | (3388) |
| 安定王拓跋休传 | (3359) | 公孙表传 | (3388) |
| 元景山传 | (3359) | 公孙軌传 | (3389) |
| 元琛传 | (3359) | 李先传 | (3389) |
| 元延明传 | (3359) | 窦瑾传 | (3389) |
| 咸阳王元禧传 | (3360) | 李沂传 | (3389) |
| 元坦传 | (3362) | 毛脩之传 | (3391) |
| 赵郡王元干传 | (3362) | 寇讚传 | (3391) |
| 元谧传 | (3362) | 寇俊传 | (3392) |
| 元湛传 | (3363) | 酈道元传 | (3392) |
| 广陵王元羽传 | (3363) | 韩秀传 | (3393) |
| 高阳王元雍传 | (3364) | 尧暄传 | (3393) |
| 彭城王元勰传 | (3365) | 尧雄传 | (3393) |
| 元韶传 | (3367) | 柳崇传 | (3394) |
| 北海王元详传 | (3368) | 陆俟传 | (3394) |
| 元颢传 | (3369) | 陆馥传 | (3395) |
| 废太子元恂传 | (3369) | 陆腾传 | (3396) |
| 京兆王元愉传 | (3370) | 陆丽传 | (3396) |
| 清河王元怿传 | (3370) | 陆子彰传 | (3397) |
| 汝南王元悦传 | (3371) | 陆印传 | (3397) |
| 刘庠仁传 | (3371) | 陆睿传 | (3398) |
| 穆崇传 | (3372) | 源贺传 | (3398) |
| 穆寿传 | (3372) | 源子邕传 | (3399) |
| 穆亮传 | (3373) | 源彪传 | (3400) |
| 穆绍传 | (3373) | 源师传 | (3400) |
| 奚斤传 | (3374) | 源雄传 | (3400) |
| 叔孙建传 | (3375) | 刘尼传 | (3401) |
| 叔孙俊传 | (3375) | 司马楚之传 | (3401) |
| 安同传 | (3375) | 司马悦传 | (3401) |
| 安颢传 | (3376) | 萧宝夤传 | (3402) |
| 庾业延传 | (3376) | 萧赞传 | (3405) |
| 王建传 | (3377) | 卢伯源传 | (3405) |
| 楼宝传 | (3377) | 卢思道传 | (3405) |
| 和跋传 | (3377) | 卢叔彪传 | (3406) |
| 燕凤传 | (3378) | 卢同传 | (3406) |
| 崔宏传 | (3378) | 卢勇传 | (3408) |
| 长孙嵩传 | (3379) | 高祐传 | (3408) |
| 于栗磾传 | (3380) | 崔鉴传 | (3409) |
| 于烈传 | (3381) | 崔伯谦传 | (3409) |
| 于忠传 | (3381) | 崔仲方传 | (3409) |
| 于谨传 | (3383) | 李绘传 | (3411) |
| 王昕传 | (3385) | 李子雄传 | (3411) |
| 古弼传 | (3386) | 高闾传 | (3411) |

- 刘延明传 (3414)
- 王劭传 (3414)
- 郑道邕传 (3416)
- 薛青传 (3417)
- 薛聪传 (3417)
- 薛道衡传 (3418)
- 薛愷传 (3419)
- 杨大眼传 (3420)
- 裴安祖传 (3421)
- 裴伯茂传 (3421)
- 裴佗传 (3421)
- 裴让之传 (3421)
- 裴暹之传 (3422)
- 裴矩传 (3422)
- 裴侠传 (3425)
- 裴肃传 (3426)
- 裴文举传 (3426)
- 房豹传 (3427)
- 房彦谦传 (3427)
- 毕义云传 (3428)
- 羊祉传 (3430)
- 韩麒麟传 (3430)
- 韩子熙传 (3431)
- 韩显宗传 (3431)
- 程骏传 (3433)
- 李彪传 (3434)
- 甄琛传 (3439)
- 高聪传 (3440)
- 杨侃传 (3440)
- 杨椿传 (3441)
- 杨津传 (3443)
- 杨逸传 (3444)
- 杨愔传 (3445)
- 杨素传 (3447)
- 杨玄感传 (3450)
- 杨约传 (3452)
- 杨宽传 (3452)
- 王肃传 (3453)
- 刘芳传 (3454)
- 刘逖传 (3457)
- 常景传 (3457)
- 郭祚传 (3458)
- 张彝传 (3460)
- 邢峦传 (3461)
- 邢邵传 (3462)
- 李崇传 (3464)
- 李平传 (3466)
- 李谐传 (3467)
- 李庶传 (3467)
- 崔光传 (3468)
- 崔亮传 (3470)
- 崔光韶传 (3472)
- 裴叔业传 (3473)
- 裴植传 (3473)
- 裴粲传 (3474)
- 夏侯道迁传 (3474)
- 夏侯夬传 (3475)
- 李元护传 (3475)
- 江文遥传 (3476)
- 张浚传 (3476)
- 傅永传 (3476)
- 傅竖眼传 (3477)
- 张烈传 (3479)
- 张普惠传 (3479)
- 成淹传 (3481)
- 鹿念传 (3482)
- 董绍传 (3483)
- 冯元兴、曹昂传 (3484)
- 袁翻传 (3484)
- 袁聿修传 (3485)
- 阳尼传 (3486)
- 阳固传 (3486)
- 阳休之传 (3487)
- 贾思伯传 (3489)
- 贾思同传 (3489)
- 祖莹传 (3489)
- 祖珽传 (3490)
- 尔朱荣传 (3493)
- 尔朱文略传 (3498)
- 尔朱兆传 (3498)
- 尔朱彦伯传 (3499)
- 尔朱仲远传 (3500)
- 尔朱世隆传 (3500)
- 尔朱天光传 (3501)
- 斛斯椿传 (3502)
- 斛斯征传 (3503)
- 樊子鹤传 (3504)
- 侯深传 (3504)
- 贺拔胜传 (3505)
- 贺拔岳传 (3507)
- 侯莫陈悦传 (3508)
- 雷绍传 (3508)

- | | | | |
|---------------|--------|----------------|--------|
| 毛鸿宾传 | (3509) | 孙腾传 | (3535) |
| 辛雄传 | (3509) | 高隆之传 | (3536) |
| 辛琛传 | (3510) | 司马子如传 | (3537) |
| 辛术传 | (3511) | 司马消难传 | (3537) |
| 杨机传 | (3511) | 司马膺之传 | (3538) |
| 高道穆传 | (3512) | 窦泰传 | (3538) |
| 高谦之传 | (3513) | 尉景传 | (3539) |
| 山伟传 | (3515) | 匡狄干传 | (3539) |
| 宇文忠之传 | (3515) | 匡狄士文传 | (3540) |
| 费穆传 | (3515) | 韩晋明传 | (3540) |
| 齐赵郡王高睿传 | (3516) | 段韶传 | (3540) |
| 清河王高岳传 | (3517) | 段孝言传 | (3542) |
| 高劼传 | (3518) | 斛律金传 | (3542) |
| 阳州公高永乐传 | (3519) | 斛律光传 | (3543) |
| 高元海传 | (3519) | 斛律羨传 | (3545) |
| 高思好传 | (3520) | 孙季传 | (3545) |
| 平秦王高归彦传 | (3520) | 陈元康传 | (3546) |
| 永安王高浚传 | (3521) | 杜弼传 | (3547) |
| 彭城王高浟传 | (3522) | 房谟传 | (3549) |
| 上党王高涣传 | (3523) | 张曜传 | (3550) |
| 任城王高湝传 | (3523) | 王紘传 | (3551) |
| 高阳王高湜传 | (3524) | 唐邕传 | (3551) |
| 冯翊王高润传 | (3524) | 元文遥传 | (3552) |
| 河南王高孝瑜传 | (3524) | 赵彦深传 | (3553) |
| 广宁王高孝珩传 | (3524) | 冯子琮传 | (3554) |
| 河间王高孝琬传 | (3525) | 冯慈明传 | (3555) |
| 兰陵王高长恭传 | (3525) | 魏收传 | (3555) |
| 安德王高延宗传 | (3526) | 魏澹传 | (3560) |
| 渔阳王高绍信传 | (3527) | 魏兰根传 | (3561) |
| 范阳王高绍义传 | (3527) | 周幽国公宇文广传 | (3562) |
| 乐陵王高百年传 | (3528) | 宇文护传 | (3562) |
| 南阳王高绰传 | (3528) | 广川公宇文测传 | (3565) |
| 琅邪王高俨传 | (3528) | 宇文深传 | (3565) |
| 韩贤传 | (3530) | 宇文孝伯传 | (3566) |
| 薛孤延传 | (3530) | 东平公宇文神举传 | (3567) |
| 慕容绍宗传 | (3530) | 宇文庆传 | (3567) |
| 薛修义传 | (3531) | 卫刺王宇文直传 | (3568) |
| 慕容俨传 | (3531) | 齐炀王宇文宪传 | (3568) |
| 匡狄伏连传 | (3532) | 赵贵传 | (3570) |
| 潘乐传 | (3532) | 李贤传 | (3571) |
| 彭乐传 | (3532) | 李崇传 | (3571) |
| 皮景和传 | (3533) | 李敏传 | (3572) |
| 綦连猛传 | (3534) | 李远传 | (3572) |
| 元景安传 | (3534) | 李穆传 | (3573) |
| 独孤永业传 | (3535) | 梁睿传 | (3575) |
| 傅伏传 | (3535) | 李弼传 | (3575) |

- | | | | |
|---------------|--------|--------------|--------|
| 李密传 | (3576) | 达奚长儒传 | (3621) |
| 宇文贵传 | (3578) | 史万岁传 | (3621) |
| 宇文忻传 | (3579) | 刘方传 | (3622) |
| 侯莫陈崇传 | (3580) | 杨义臣传 | (3623) |
| 王谦传 | (3580) | 刘昉传 | (3624) |
| 王谊传 | (3580) | 郭衍传 | (3625) |
| 独孤信传 | (3581) | 张衡传 | (3625) |
| 窦炽传 | (3582) | 裴蕴传 | (3626) |
| 贺兰祥传 | (3584) | 袁充传 | (3627) |
| 阎毗传 | (3584) | 元岩传 | (3628) |
| 权景宣传 | (3585) | 宇文弼传 | (3629) |
| 王暉传 | (3586) | 李圆通传 | (3630) |
| 王思政传 | (3587) | 李安传 | (3630) |
| 尉迟迥传 | (3588) | 来护儿传 | (3631) |
| 王轨传 | (3590) | 樊子盖传 | (3632) |
| 苏绰传 | (3591) | 卫玄传 | (3633) |
| 苏威传 | (3593) | 裴政传 | (3634) |
| 韦孝宽传 | (3595) | 李谔传 | (3635) |
| 达奚武传 | (3598) | 鲍宏传 | (3636) |
| 蔡祐传 | (3599) | 柳彧传 | (3636) |
| 耿豪传 | (3599) | 赵绰传 | (3638) |
| 唐瑾传 | (3599) | 鱼俱罗传 | (3638) |
| 韩禽传 | (3600) | 陈稜传 | (3639) |
| 贺若弼传 | (3600) | 宇文述传 | (3639) |
| 赵刚传 | (3601) | 宇文文化及传 | (3641) |
| 王悦传 | (3602) | 王世充传 | (3642) |
| 杨旆传 | (3602) | 冯熙传 | (3644) |
| 韩褒传 | (3603) | 高肇传 | (3645) |
| 张轨传 | (3604) | 胡国珍传 | (3646) |
| 李彦传 | (3604) | 儒林传序 | (3647) |
| 辛庆之传 | (3605) | 孙惠蔚传 | (3649) |
| 辛昂传 | (3605) | 徐遵明传 | (3650) |
| 杜泉传 | (3605) | 李业兴传 | (3650) |
| 宗懔传 | (3606) | 权会传 | (3652) |
| 刘璠传 | (3607) | 熊安生传 | (3652) |
| 刘行本传 | (3608) | 黎景熙传 | (3653) |
| 柳遐传 | (3609) | 何妥传 | (3654) |
| 隋河间王杨弘传 | (3609) | 刘炫传 | (3656) |
| 房陵王杨勇传 | (3610) | 文苑传序 | (3658) |
| 秦王杨俊传 | (3613) | 温子昇传 | (3660) |
| 越王杨侗传 | (3613) | 王褒传 | (3661) |
| 高颀传 | (3614) | 庾信传 | (3662) |
| 牛弘传 | (3616) | 颜之推传 | (3662) |
| 李德林传 | (3618) | 虞世基传 | (3663) |
| 虞庆则传 | (3619) | 许善心传 | (3664) |
| 元胄传 | (3620) | 孝行传序 | (3665) |

张元传	(3666)	萧吉传	(3680)
王頌传	(3666)	杨伯丑传	(3681)
节义传序	(3667)	张青玄传	(3681)
张须陁传	(3667)	徐睿传	(3682)
尧君素传	(3667)	姚僧垣传	(3683)
窦瑗传	(3668)	许智藏传	(3684)
孟业传	(3669)	何稠传	(3684)
苏琼传	(3669)	谯国夫人洗氏传	(3685)
樊叔略传	(3671)	刘昶女传	(3686)
酷吏传序	(3671)	王睿传	(3686)
于洛侯传	(3671)	仇洛齐传	(3687)
李洪之传	(3672)	抱嶷传	(3687)
田式传	(3672)	刘腾传	(3687)
隐逸传序	(3673)	韩凤传	(3688)
睦夸传	(3673)	后秦姚苻传	(3689)
冯亮传	(3674)	高丽传	(3689)
崔廓传	(3674)	契丹传	(3692)
徐则传	(3674)	流求传	(3692)
张深传	(3675)	氏传	(3693)
李顺兴传	(3675)	吐谷浑传	(3695)
信都芳传	(3676)	西域传序	(3699)
吴遵世传	(3676)	蠕蠕传	(3700)
皇甫玉传	(3677)	高车传	(3706)
陆法和传	(3677)	突厥传	(3707)
庾季才传	(3679)		

中华全二十六史

周

书

原著 [唐]令狐德棻
主编 王广西

文帝纪

(上)

太祖文皇帝姓宇文，名泰，字黑獭，是代州武川人。他的先祖出自炎帝神农氏，被黄帝灭掉，子孙移居北方原野。有一个叫葛乌菟的，雄杰英武而多有谋略，鲜卑人仰慕他，推举他为领袖，统率十二个部落，世代担任部落首领。他的后人叫普回，因打猎得到玉玺三枚，上面刻有皇帝玺的字样，普回心中奇怪，认为是上天所授。他们的习惯，称天为宇，称君为文，于是号称宇文国，并作为自己的姓。

普回的儿子莫那，从阴山南迁，开始定居辽西，称为献侯，是魏国的诸侯国。九世至侯豆归，被慕容晃灭掉。他的儿子宇文陵在燕国当官，任骠马都尉，封玄菟公。魏道武准备进攻中山时，宇文陵随从慕容宝抵抗。慕容宝失败后，宇文陵率领带甲骑兵五百人归附魏国，任都牧主，赐爵安定侯。天兴初年，将才智出众的人迁居到代都，宇文陵按例迁居武川。宇文陵生宇文系，宇文系生宇文韬，都以军事谋略出名。宇文韬生宇文肱。

宇文肱负气仗义，又有才干。正光末年，沃野镇人破六汗拔陵反叛，远近大多响应。其伪王卫可孤部众最多。宇文肱于是集合乡人杀掉卫可孤，其部众溃散。后来避居中山，被鲜于修礼所俘。鲜于修礼命令宇文肱回去统领原有部属。其后被定州军击败，宇文肱阵亡。武成初年，追尊为德皇帝。

太祖是德皇帝的幼子。母亲王氏，怀孕五个月时，夜里梦见抱着儿子向天上飞去，还没有飞到就停止了。醒来告诉德皇帝，德皇帝高兴地说：“虽然没有飞到天上，但也富贵到顶点了。”太祖生下后，有黑气像华盖一样，向下覆盖住他的身体。等到长大，身高八尺，额头方而广阔，长髯华美，长发垂地，垂手而过膝盖，背上有黑痣，曲折像龙盘之形，面有紫光，人们远远看见就感到敬佩畏惧。他从少年时气量就大，不经营家里的产业，轻视钱财，乐于施舍，用以结交贤能之人。

太祖少年时随德皇帝在鲜于修礼军中。葛荣杀掉鲜于修礼时，太祖十八岁，葛荣任命他为将帅。太祖知道葛荣将无所成就，就与兄长们密谋逃走，计划未及实行，尔朱荣已活捉葛荣，平定黄河以北，太祖随例迁居晋阳。尔朱荣认为太祖兄弟才智过人，害怕他们背叛自己，就假托其他罪名，处死了太祖的三哥宇文洛生，又想谋害太祖。太祖辩解家中冤情，言词激昂，尔朱荣被感动，赦免了他，对他更加礼遇。

孝昌二年(526)，燕州动乱，太祖开始以统军身份

跟从尔朱荣前去征讨。起初，北海王元颢逃奔梁国，梁人立他为魏主，令他率军人据洛阳。魏孝庄帝逃到河内躲避。尔朱荣派贺拔岳讨伐元颢，迎回孝庄帝。太祖与贺拔岳过去有交情，就以别将身份跟随贺拔岳。孝庄帝返回洛京后，以功劳封宁都子，食邑三百户，升任镇远将军、步兵校尉。

万俟丑奴在函谷关以西叛乱，孝庄帝派尔朱天光及贺拔岳征讨，太祖于是随从贺拔岳入函谷关，先行击败伪行台尉迟菩萨等人。平定万俟丑奴，平定陇山以西，太祖立功最多，升任征西将军、金紫光禄大夫，食邑增加三百户，加直阁将军衔，代理原州政务。当时关、陇一带战乱，百姓困苦，太祖以恩惠信用安抚百姓，百姓皆心悦诚服，都高兴地说：“倘若早日派来宇文使君，我们岂能依附叛乱？”太祖曾带领几名骑马的随从在原野上行进，忽然听见箫鼓的声音，询问随从，都说没有听见。

普泰二年(532)，尔朱天光东去抵御齐神武，留下其弟尔朱显寿镇守长安。秦州刺史侯莫陈悦受尔朱天光征召，率军东下。贺拔岳知道尔朱天光必败，想留下侯莫陈悦，共同算计尔朱显寿，而想不出计策。太祖对贺拔岳说：“如今尔朱天光相距不远，侯莫陈悦未有二心，假若把此事告诉他，恐怕他会惊恐害怕。可是侯莫陈悦虽是主将，却不能控制部下，如果先劝说他的部众，人人必有留下之心。若出兵，会超过尔朱天光预定的期限，若撤退，又恐人心变动。乘此机会劝说侯莫陈悦，事情没有不成功的。”贺拔岳大喜，当即命令太祖入侯莫陈悦军中劝说众人，侯莫陈悦果然不出兵。于是相约袭击长安，令太祖率领轻装骑兵担任前锋。太祖预料尔朱显寿怯懦，听说诸军将到，必当东逃。太祖担心他逃远，就加倍赶路。尔朱显寿果然已经东逃，太祖追到华山，将他捉住。

太昌元年(532)，贺拔岳任关西大行台，任命太祖为左丞，兼任贺拔岳府司马，加散骑常侍衔。事无大小，都委托他决断。

齐神武击败尔朱天光后，就独揽朝政大权。太祖请求前去观察。到并州后，齐神武询问贺拔岳军事，太祖应口对答，能言善辩。齐神武认为是奇人，想留下他。太祖假表诚意，才得以返回，于是连夜上路。齐神武果然派人追赶，直追到函谷关，没有赶上。太祖回来对贺拔岳说：“高欢不是忠诚的臣子。他没有公开谋反，是因为害怕你们兄弟。然而凡是准备建立大业、挽救国家的人，没有不趁地位权势之便，统制天下英雄，而能最后成功的。侯莫陈悦本来的确是平庸之人，遇上机会，于是承蒙委用，既无为国家担忧之心，也不被高欢猜忌。只要有准备，算计他并不困难。如今费也头拥有骑兵不下一万人，夏州刺史斛拔弥俄突有精锐之师三千余人，